आज का दिन 1968 में 'रोलिंग बॉल' तकनीक पर आधारित कंप

### र्यटन विभाग ने गंगा आरती को भव्य रूप देने की बनाई योजना

# हले बताएंगे इतिहास फिर होगी गंगा आरती

णसी | वीणा तिवारी

टन विभाग ने गंगा आरती को भव्य रूप की तैयारी की है। विदेशी सैलानियों गंगा आरती दिखाने के साथ ही इसका त्व बताने की भी योजना बनाई है। के तहत आरती से पहले हिन्दी, ग्रेजी व फ्रेंच में गंगा के महत्व, इतिहास प्रमुख घाटों के बारे में जानकारी देने ली डॉक्यूमेंट्री दिखाई जायेगी। आरती भव्य बनाने के लिए पर्यटन विभाग ने ा सेवा निधि के साथ मिलकर प्रस्ताव ार करके निदेशालय भेज दिया है। र्यटन अधिकारी दीपांकर चौधरी ने ताया कि गंगा आरती को भव्य रूप देने लिए आमजन भी पर्यटन विभाग को पने सुझाव दे सकते हैं।

**दर्शक भी दोहराएंगे मंत्र :** गंगा आरती दौरान मौजूद लोग भी मंत्रोच्चार करेंगे। सा इसलिए ताकि लोगों को आरती के थ दिल से जोड़ा जा सके। आरती के समय तेज ध्वनि में मंत्रोच्चार होगा तो वहां का माहौल धार्मिक हो जायेगा। इससे वहां उपस्थित लोग आरती को देख कर उसके महत्व को दिल से मससूस करेंगे।

## स्पेशल आरती काउंटर

कुछ विशेष अवसरों पर आरती के दौरान आने वाले खास अतिथियों के लिए एक अगल काउंटर बनाया जायेगा। उस काउंटर के माध्यम से विशेष अतिथि गंगा आरती देखने के साथ ही खुद भी आरती कर सकेंगे।

## प्रसाद भी बंटेगा

सनातन धर्म में आरती के बाद प्रसाद का विशेष महत्व है। इसलिए गंगा आरती के बाद प्रसाद बांटने की भी व्यवस्था की जायेगी। गंगा आरती के लिए रखी जाने वाली सामान्य चौकी को भी आकर्षक रूप दिया जायेगा। इसके लिए विशेष डिजाइन तैयार कराकर उसके आधार पर चौकियां बनवाई जायेंगी।

> गंगा आरती को भव्य रूप देने के लिए पर्यटन विभाग ने अब तक जितने भी प्रस्ताव बनाये हैं उनमें कहीं से भी आरती की छवि के साथ छेड़छाड़ की स्थिति नहीं बनती। इसलिए हमारा सहयोग उनके साथ है। अगर आरती की प्राचीनता से छेड़छाड़ होगी, आमजन की पहुंच बाधित हुई तो हम उसका विरोध करेंगे।
>
> हनुमान यादव, सचिव-गंगा सेवा निधि

नन्हे कलाकार

थेल्मा डेविड मेमोरियल स्कूल (तेलियाबाग) के 32वें वार्षिकोत्सव 'संकल्प' में नन्हे-मुन्नो बनाएं आशियां, इंडिया मिक्स, वेलकम सांग और रघुपति राघव राजाराम आदि गीतों पर ब नाटकों के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार किया। इसमें 'भ्रष्टाचार', 'जिंदगी' मुख्य अतिथि थे महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो. सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा। अतिथियों का स्वागत किया। प्रबंधक सुदीप महापात्रा ने धन्यवाद दिया व सफाई के महत्व

## बारावफात के जश्न का बढ़ेगा दायरा

**वाराणसी।** पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद (सल्ल.) के जन्मदिवस पर मनाए जाने वाले जश्न का दायरा इस बार और बढ़ेगा। बनारस के अलावा पूर्वांचल की अंजुमनें इस बार नातिया मुशायरे में शिरकत करेंगी। यही नहीं नबी की सुन्नतों पर अमल करते हुए सौहार्द्र का संदेश देने के मकसद से धर्मगुरुओं को बुलाया जाएगा। इनके अलावा सूबे के कई मंत्रियों को भी आमंत्रण भेजा जाएगा।

बारावफात की तैयारियों के बाबत मर्कजी यौमुन्नबी कमेटी की दालमंडी स्थित मुस्लिम मुसाफिरखाना में बैठक हुई। कमेटी के सदर और प्रदेश के अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन शकील अहमद बबलू की अध्यक्षता में इस बार के जश्न को यादगार बनाने पर मंत्रणा की गई। हड़हा सराय से निकलने वाले अंजुमनों के जुलूस का इस्तकबाल बेनियाबाग मैदान में किया जाएगा।

# क्योटो के स्कूलों में बुजुर्ग भी सीखते हैं आपदा प्रबंधन

राणसी | वरिष्ठ संवाददाता

योटो के स्कूलों में आपदा प्रबंधन की क्षा बच्चे ही नहीं लेते बल्कि हर आयु-र्ग के लोग यह पाठ पढ़ते हैं। हर साल हली सितंबर राष्ट्रीय आपदा दिवस के प में सभी स्कूलों में मनाया जाता है। इस दिन सभी स्कूलों में डिजास्टर ड्रिल होती । पूरे दिन लोग इसे जीते हैं। अपने साथ आवश्यक खाद्य सामग्री लेकर आते हैं, कैंप में रात बिताते हैं। उन्हें किसी भी तरह की आपदा से बचाव की बेहतर शिक्षा मिल जाती है।

यह जानकारी क्योटो यूनिवर्सिटी के ो. राजीब शॉ ने होटल रेडिशन में 'हिन्दुस्तान' से खास बातचीत में दी। प्रो. शॉ ने बताया कि आपदा से बचाव का तरीका है जनता से, जनता के लिए, जनता के द्वारा किये गये काम का। यही जरूरत बनारस में भी है। कोशिश है कि इस काम को बनारस में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जल्द शुरू करें। उन्होंने कहा कि यहां के लोग बाढ़ के दौरान पुलिस की वार्निंग पर भी घर नहीं छोड़ते हैं। कहीं न कहीं उनके अंदर असुरक्षा की भावना होती है। ऐसे में पुलिस प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभानी होगी।

प्रो. राजीब शॉ।

**देखे गंगा और घाट, नगर आयुक्त से मिले :** प्रो. शॉ सोमवार सुबह पहले अस्सी घाट पहुंचे। वहां आरती देखी और सुबह-ए-बनारस का आनंद लिया। वह बोट से राजघाट तक गए और गंगा, घाटों का हाल देखा। इसके बाद दशाश्वमेध, गोदौलिया, विश्वनाथ मंदिर के आसपास का क्षेत्र भी देखा। देर शाम उन्होंने नगर आयुक्त उमाकांत त्रिपाठी से कैंप कार्यालय में मुलाकात की। उन्होंने नगर आयुक्त से कुछ और डाटा उपलब्ध कराने की मांग की। प्रो. शॉ मंगलवार को महापौर रामगोपाल मोहले से दिल्ली में मुलाकात करेंगे और वापस क्योटो लौट जाएंगे।

## काशी के लोग सोचते बहुत हैं

प्रो. शॉ ने कहा कि यहां के लोग सोचते तो बहुत हैं लेकिन करते नहीं हैं। हमारी कोशिश होगी कि हम छोटी-छोटी चीजों को शुरू करें। उन्होंने बताया कि शोध छात्र रानित चटर्जी ने काफी कुछ जानकारियां जुटाई हैं। वह 15 वार्डों में लोगों से मिले। हम 90 वार्डों तक जाएंगे और फिर फाइनल रिपोर्ट बनाकर मार्च अंत तक देंगे। इसके बाद बनारस में किसी एक मोहल्ले को चयनित कर पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेंगे। इसमें इंस्टीट्यूट आफ इनवायरमेंट ऐंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट विभाग के प्रो. अखिलेश रघुवंशी का पूरा सहयोग लिया जाएगा। सोमवार को भी उन्होंने प्रो. रघुवंशी के साथ इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की।

## नगर निगम को और मजबूत करना होगा

प्रो. शॉ ने 2010 की इंडिया सिटी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि चार साल में बनारस में बहुत सुधार हुआ है। किंतु अभी और सुधार की जरूरत है। जैसे, नगर निगम के पास आपदा प्रबंधन के लिए कोई फंड नहीं है। इससे जुड़े विशेषज्ञ नहीं हैं। समस्या से निपटने की जिम्मेदारी उसकी है। क्योटो में पहले कम्युनिटी, फिर सिटी और फिर अन्य व्यवस्थाएं आती हैं। यहां बिल्कुल अलग है। हम अपनी रिपोर्ट में इसका उल्लेख करेंगे और बनारस में सुधार के लिए तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग भी करेंगे।

## जापानी पत्रकार ने भी जुटाई जानकारी

सोमवार को जापानी डेलीन्यूज 'द असाई सिम्बून'२ के नई दिल्ली ब्यूरो के चीफ तोमो इवाटा और प्रतिनिधि देवदीप चौधरी ने नगर आयुक्त उमाकांत त्रिपाठी से मुलाकात की। उन्होंने ये जानने की कोशिश की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्र में क्या-क्या नए विकास कार्य शुरू हुए हैं? नगर आयुक्त ने उन्हें बताया कि अभी कोई नया काम नहीं शुरू हुआ है। अभी विभिन्न कार्यों का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।